भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

05.12.2013 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या 3.

दक्षिणी पंजाब की मिट्टी में यूरेनियम की मौजूदगी

3. श्री एच. के. दुआ :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बी.ए.आर.सी.) ने दक्षिणी पंजाब में विस्तृत अध्ययन करने के बाद वहाँ की मिट्टी में यूरेनियम की मौजूदगी की पुष्टि की है;

(ख) क्या बी.ए.आर.सी. राज्य में अनुसंधान कर रहे व्यक्तियों की इस राय से सहमत है कि धनबाद-झरिया स्थित खानों से आने वाले कोयले का इस्तेमाल करने वाले भटिंडा ताप संयंत्र से निकलने वाली फ्लाई ऐश के कारण पंजाब की मिट्टी और वहाँ के जल में यूरेनियम पैदा हुआ होगा; और

(ग) सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है कि राज्य के दक्षिणी जिलों की मिट्टी में यूरेनियम की मौजूदगी से लोगों के स्वास्थ्य को कोई खतरा पैदा न हो?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय

(श्री वी. नारायणसामी)

(क) सभी पर्यावरणीय आव्यूहों जैसेकि वायु, जल, मृदा, अवसाद, खाद्य सामग्री और जीवजात में यूरेनियम सूक्ष्म और अति-सूक्ष्म स्तरों पर पाया जाता है।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) ने दक्षिणी पंजाब की मृदा में यूरेनियम की सांद्रता के बारे में एक विस्तृत अध्ययन किया है, और यह जानकारी दी है कि वहाँ की मृदा में यूरेनियम का स्तर 1-3 पीपीएम (1-3 माइक्रोग्राम/ग्राम) है जोकि देश के अन्य भागों की मृदा की सांद्रता के समान है।

(ख) परमाणु खनिज अन्वेषण तथा अनुसंधान निदेशालय, उत्तरी क्षेत्र, परमाणु ऊर्जा विभाग ने, दक्षिणी पंजाब के भौम-जल में पाए जाने वाले यूरेनियम के स्त्रोतों का पता लगाने के लिए अध्ययन किया है। वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि भौम-जल में यूरेनियम की अधिक मात्रा की विद्यमानता का स्त्रोत तापीय विद्युत संयंत्र से निकलने वाला फ्लाईऐश नहीं है अपितु यह भू-जीवी स्वरूप की है।

हाल ही में, पंजाब के भौम-जल में यूरेनियम के स्त्रोत का पता लगाने के लिए चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा एक विशेषज्ञ समिति गठित की गई है।

(ग) पंजाब सरकार ने, यूरेनियम रहित पेयजल की आपूर्ति करने के लिए एक कार्यक्रम प्रारंभ किया है, और जिन क्षेत्रों के पेयजल में यूरेनियम की अधिक मात्रा पाई जाती है, वहाँ भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र द्वारा संस्तुत प्रतिलोम परासरण (आरओ) प्रौद्योगिकी पर आधारित जल शोधन प्रणालियाँ स्थापित की हैं।

* * * * * * *